सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 119 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 5 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

बाधाएं वे भयानक चीजें हैं जो आप तब देखते हैं जब आप अपने लक्ष्य से अपनी नजरें हटा लेते हैं।
-हेनरी फोर्ड

गांव जाकर काडर वोटर को जोड़ेगी... 2
लग गया दांव तो होगा बेड़ा... 3
भाजपा सांसद का दरोगा ने... 7

रेल हादसे पर विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार

» राहुल बोले-पीएम तो कांग्रेस पर ही मढ़ देंगे दोष
» कहा- इतना बड़ा रेल हादसा हो गया, जिम्मेदारों का पता नहीं
» अमेरिका से उठाए सुरक्षा पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयॉर्क। ओडिशा में हुए रेल हादसे के बाद भाजपा की मोदी सरकार पर चारों तरफ से हमला शुरू हो गया है। जहां अमेरिका में राहुल गांधी ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कहा कि इतना बड़ा रेल हादसा हो गया, लेकिन अभी तक किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया और न ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस्तीफा दिया। उधर अन्य पार्टियों ने भी इस पर सरकार को घेरा है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि भाजपा के नेता भविष्य के बारे में कभी बात नहीं करते और हमेशा अपनी विफलताओं के लिए किसी और को दोष देते हैं। अमेरिका के दौरे पर आए राहुल अमेरिका के जेविट्स सेंटर में प्रवासी भारतीयों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ओडिशा ट्रेन दुर्घटना में मरने वालों की याद में 60 सेकंड का मौन भी रखा। राहुल ने आगे कहा, मुझे एक ट्रेन दुर्घटना याद है जब कांग्रेस सत्ता में थी। कांग्रेस ने ये नहीं कहा कि यह अंग्रेजों की गलती है कि ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कांग्रेस के तत्कालीन मंत्री ने अपनी जिम्मेदारी मानी और कहा मैं इस्तीफा दे रहा हूं। इसलिए हमारे यहां यही समस्या है, हम बहाने बनाते हैं और हम उस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रहे हैं जिसका हम सामना कर रहे हैं।

ट्रिपल इंजन की सरकार में लड़ गई तीन ट्रेनें : अखिलेश

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार में तीन ट्रेनें ल? गईं। इसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई। इसका जवाब कौन देगा। नए उपकरण बनाने के दावे किए गए थे। ट्रेन हादसे रोकने के लिए सुरक्षा कवच बनाया गया है, लेकिन यह काम नहीं आया।

इन लोगों को कोई सेंस नहीं है : नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बालासोर ट्रेन हादसे के बाद कहा कि पहले रेलवे का बजट अलग से होता था। जब बजट पेश होता था कि इतना ज्यादा आकर्षित होता था। नीतीश कुमार ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज लोग अपने ढंग से प्रचार प्रसार कर रहे हैं। इन लोगों को कोई सेंस नहीं है। मेरे कार्यकाल में जब रेल हादसा हुआ तो मैंने रिजाइन कर दिया था।

रेल हादसे की जांच होनी चाहिए : फारूक अब्दुल्ला

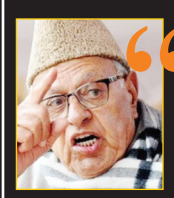

ओडिशा ट्रेन हादसे पर नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुनिया की बड़ी आपदाओं में से एक है। 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों अन्य घायल हैं। इस बात की जांच होनी चाहिए कि यह कैसे हुआ और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम को लिखा पत्र

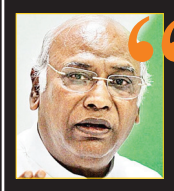

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में खरगे ने कई गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में लिखा कि रेलवे को बुनियादी तौर पर मजबूत करने के बजाय खबरों में बने रहने के लिए ऊपरी तौर पर ही बदलाव किए जा रहे हैं। गलत फैसलों की वजह से सफर असुरक्षित हो गया।

तमिलनाडु में फिर टली बड़ी रेल दुर्घटना

चेन्नई। तमिलनाडु में रेलवे स्टाफ की सतर्कता के कारण एक बड़ा रेल हादसा टल गया। रेलवे स्टाफ ने चन्नई एग्मोर एक्सप्रेस के एक बोगी के चेसिस पर क्रैक देखकर तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। घटना तमिलनाडु के शेनगोट्टाई रेलवे स्टेशन की है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर घटना की जानकारी मिली। इसके बाद तुरंत हमने डिफेक्टेड कोच को गाड़ी से अलग कर दिया और मदुरै में एक नया कोच गाड़ी में जोड़ दिया।

अवधेश राय हत्याकांड: मुख्तार अंसारी को उम्रकैद

» एमपी-एलएलए कोर्ट का फैसला-एक लाख का जुर्माना भी लगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें फिर बढ़ गई। 32 साल पुराने वाराणसी के बहुचर्चित अवधेश राय हत्याकांड में विशेष न्यायाधीश (एमपी-एलएलए कोर्ट) अवनीश गौतम की अदालत ने माफिया मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें उमकैद की सजा सुनाते हुए एक लाख का जुर्माना भी लगाया है। बीते एक साल में मुख्तार अंसारी को चार मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। लेकिन इन सभी मामलों में अवधेश राय हत्याकांड का मामला सबसे बड़ा और सबसे बड़ी सजा के प्रावधान का है। अवधेश राय हत्याकांड में मुख्तार अंसारी मुख्य आरोपी है।

कोर्ट के फैसले के मद्देनजर सिविल कोर्ट परिसर के साथ ही नौ मंजिला बिल्डिंग स्थित अदालत कक्ष की सुरक्षा व्यवस्था सख्त है। सिविल कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर पुलिस और खुफिया विभाग के लोगों की नजर है। अधिवक्ता अनुज यादव ने बताया कि दिनदहाड़े अवधेश राय की हत्या की गई थी।

भाई अजय राय ने किया फैसले का स्वागत

अवधेश राय पूर्व मंत्री व पिंडरा के कई बार विधायक रहे और अब कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के बड़े भाई थे। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले का अजय राय ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बड़े भाई की नृशंस तरीके से हत्या करने वाले को अदालत कठोरतम सजा से दंडित करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बड़े भाई की हत्या करने वाले अपराधियों के खिलाफ तीन दशक से ज्यादा समय से संघर्ष कर रहा हूं। माफिया के धनबल, बाहुबल और सत्ता से गठजोड़ के आगे कभी नहीं झुका। न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है। अपने परिवार और अधिवक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैं रहूं या ना रहूं लेकिन इन लोगों ने लड़ाई जारी रखी। पूर्व विधायक अजय राय ने इस मामले में मुख्तार अंसारी को मुख्य आरोपी बनाया। साथ में भीम सिंह, कमलेश सिंह व पूर्व विधायक अब्दुल कलाम और राकेश न्यायिक का भी नाम रहा। इनमें से कमलेश व अब्दुल कलाम की मौत हो चुकी है। राकेश न्यायिक का केस प्रयागराज कोर्ट में चल रहा है। यह पहला प्रकरण है। इसके बाद मामला हाईकोर्ट तक गया। लेकिन, लंबी कानूनी प्रक्रिया के तहत यहीं की अदालत में सुनवाई पूरी हुई। दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने पांच जून को फैसले के लिए पत्रावली सुरक्षित रख ली थी।

गांव जाकर काडर वोटर को जोड़ेगी बसपा

मायावती ने दिया मंत्र, गांव चलो अभियान किया शुरू

» पदाधिकारियों को बूथ तक पहुंचने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने प्रदेश में गांव चलो अभियान शुरू कर दिया है। नगर निकाय चुनाव में मिली मात के बाद बसपा अब गांवों पर फोकस करेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस अभियान की पूरी रूपरेखा पार्टी पदाधिकारियों को समझा दी है। कहा गया है कि गांव गांव जाकर अपने काडर वोटर को सबसे पहले समझाओ। जो छिटक रहे हैं, उन्हें जोड़ो। मायावती ने नगर निकाय चुनाव की पिछले माह समीक्षा की थी।

कहा था कि नगर निकाय की चुनाव में जो कमी रही, अब उससे आगे बढ़कर काम करना है। लोकसभा चुनाव तक पूरी तैयारियों में जुट जाना है। अभियान का मूलमंत्र है वोट हमारा राज तुम्हारा, नहीं चलेगा। यह अभियान गांव गांव में चलेगा और लोगों को इससे जोड़ा जाएगा। लोकसभा चुनाव तक संगठन को मजबूत करना है और निकाय चुनाव में रही सभी कमियों को दूर करते हुए मिशनरी लक्ष्य में जुट जाना है। बसपा कोआर्डिनेटरों ने इस अभियान के लिए बैठकें शुरू कर दी हैं। बसपाइयों का कहना है कि गांव गांव बसपा का पुराना वोटर रहा है। बस उसे दोबारा जोड़ना है। दरअसल विधानसभा चुनाव के बाद नगर निकाय चुनाव में भी बसपा को सफलता नहीं मिली। इसलिए अब फोकस लोकसभा चुनाव पर है। कोआर्डिनेटरों को कहा गया है कि गांवों के माहौल पर फोकस करें। देखें कि उनके कौन से मुद्दे ऐसे हैं जिन पर बसपा काम कर सकती है। विशेष तौर पर काडर वर्ग के युवाओं को जोड़ना होगा। इसके अलावा महिलाओं की टीम भी गांवों में खड़ी करनी होगी। तभी लोकसभा चुनाव के लिए ट्रैक तैयार हो सकेगा। मायावती ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रत्येक मंडल से काम शुरू करो और फिर हर गांव के बूथ तक जाना है।

लोस चुनाव के लिए ब्लाकों में संगठन तैयार करेगी पार्टी : विनय पटेल

एक-एक गांव में जाएंगे कार्यकर्ता

360 विधानसभा पर आम आदमी पार्टी की नजर

लखनऊ। आप पंचायत प्रकोष्ठ के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विनय पटेल ने बताया कि जल्द ही प्रकोष्ठ की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाना है। इससे पहले पार्टी संगठन को गांव-गांव तक ले जाने की रणनीति तैयार की जाएगी। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी (आप) हर विधानसभा स्तर पर अपना संगठन तैयार करेगी। पहले चरण में 360 विधानसभा क्षेत्र और 700 विकास खंडों के स्तर पर संगठन तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जिम्मेदारी पार्टी की गठित होने वाली नई पंचायत प्रकोष्ठ को सौंपी गई है। पार्टी कार्यालय में रविवार को हुई बैठक में इसका निर्णय लिया गया है। 13 जून से गांव चलो अभियान शुरू किया जाएगा, जो 23 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के बीच पार्टी की नीतियां और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की चर्चा की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों को पंचायत प्रकोष्ठ निर्माण के लिए प्रभारी बनाया गया है। विनय कुमार सिंह को प्रदेश महासचिव, हिमांशु त्रिपाठी को प्रदेश संगठन मंत्री, सुनील कुमार को सोशल मीडिया अध्यक्ष, दीपशिखा को रुहेलखंड प्रांत संगठन निर्माण प्रभारी और डॉ. विनोद सिंह को काशी प्रांत का संगठन निर्माण प्रभारी बनाया गया है। मोहम्मद सैफ रहमान को प्रयागराज मंडल प्रभारी और विनय पटेल को अयोध्या प्रांत का संगठन निर्माण प्रभारी नियुक्त किया गया है।

सेक्टर प्रभारियों को लगाया गया है। सेक्टरों की बैठक में बूथ कमेटियां बनाने का निर्णय होगा। कहा है कि बूथों पर यह देख लें कि पुराने कार्यकर्ताओं में अभी कितने सक्रिय हैं। जो काम नहीं कर रहे हैं उन्हें बाहर का रास्ता दिखाओ। नए लोगों को जोड़ों और बूथ पर जिम्मेदारी तय करो।

जी-20 कार्यक्रम से नहीं, पाक से बातचीत से सुधरेंगे हालात: फारूक

» सरकार न होने से प्रदेश को हो रहा भारी नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल काफ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा, कश्मीर में जी-20 कार्यक्रम करने से घाटी में पर्यटन के हालात नहीं सुधरेंगे, बल्कि इसके लिए भारत और पाकिस्तान को बातचीत करनी होगी। निर्वाचित सरकार न होने के कारण जम्मू-कश्मीर को भारी नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा, एक एलजी और उनके सलाहकार पूरे राज्य की देखभाल नहीं कर सकते। इस काम को विधायक ही अच्छी तरह से कर सकते हैं, क्योंकि यह उनका कर्तव्य है। नौकरशाहों को इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उन्हें 60 साल की उम्र में रिटायर हो जाना होता है। एक विधायक को हर पांच साल में जनता के पास जाना होता है। वह

काम नहीं करेगा तो वोट नहीं मिलेगा। इसलिए चुनाव बेहद जरूरी हैं। उनकी पार्टी किसी भी समय चुनाव के लिए तैयार है। डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि सवाल यह है कि जी20 देशों से आने वाले पर्यटन से हमें फायदा होगा। लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के इस बयान पर कि कश्मीर में कुछ दलों ने अतीत में चुनावों को हाईजैक कर लिया था, अब्दुल्ला ने कहा, क्या उनके पास इसका मुकाबला करने का साधन नहीं है?

सिर्फ समाज को लड़ा रही भाजपा: अखिलेश

» खास समुदाय के घरों पर चल रही जेसीबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा पर लगाया आरोप लगाते हुए कि भाजपा समाज को आपस में लड़ा रही। समाजवादी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह समाज को लड़ा कर बांट रही है और सत्ता पर कब्जा बनए रखना चाहती है। वहीं रेल हादसे के बाद मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई कवच प्रणाली नहीं ये कवच नहीं भाजपाई कपट है।

जिसकी वजह से इतनी बड़ी दुर्घटना घटित हुई।सपा मुखिया पार्टी के कार्यक्रम के सिलसिले में आजमगढ़ में थे, उन्होंने आजमगढ़ को आतंक की नर्सरी कहने के सवाल पर कहा कि यह आजमगढ़ का अपमान है। ऐसा अल्पसंख्यक वर्ग को निशाना बनाने के लिए कहा जाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। खास समुदाय व कुछ खास लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा की सरकार पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के ही घरों पर जेसीबी चला रही है। खास वर्ग के अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। महिला पहलवानों के आंदोलन पर कहा कि भाजपा की सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देती है, लेकिन यह वोट लेने के लिए होता है। जब सरकार बन जाती है तो महिलाओं का अपमान शुरू हो जाता है। जंतर-मंतर पर महिलाओं और पहलवानों ने भाजपा सांसद के खिलाफ धरना दिया,

कार्रवाई की मांग की, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। सपा के अध्यक्ष ने कहा कि आजमगढ़ में सपा की पिछली सरकार ने मुबारकपुर में बुनकरों के लिए विपणन केंद्र खुलवाया था और तमाम सहूलियतें दी थी। लेकिन भाजपा सरकार ने यह सब कुछ नहीं किया। बिजली का रेट बढ़ा दिया। महंगाई ने बिस्किट का पैकेट छोटा कर दिया है। एक दिन ऐसा भी आएगा, जब यह एक बिस्किट का पैकेट मिलेगा। आजमगढ़ में हवाई अड्डा सपा की पिछली सरकार ने बनाया था। लेकिन छह साल से इसका कोई विकास भाजपा सरकार नहीं कर पाई है।

रेल हादसे पर बोले -झूठी सरकार की झूठी तकनीकी

अखिलेश ने शनिवार को ओडिशा ट्रेन हादसे पर ट्वीट किया... झूठी सरकार की झूठी तकनीकी ने कितने लोगों की जान ले ली है। इसके लिए मंत्री से लेकर कंपनी तक सब जिम्मेदार है। इस महाघोटाले और भ्रष्टाचार की एक आपराधिक मामले की तरह जांच करके दंडात्मक कार्रवाई हो। ये कवच नहीं, भाजपाई कपट है।

कमलनाथ ही हमारे नेता हैं: गोविंद सिंह

» बैठक में कमलनाथ के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की प्रदेश के प्रमुख नेताओं ने व्यक्त की है सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। मप्र में विधान सभा चुनाव आने वाले है। राज्य की दोनों की पार्टियां तैयारी में जुटीं हैं। दोनों ही अपने दोनों बड़ नेताओं भाजपा शिवराज सिंह चौहान व कांग्रेस कमलनाथ को ही क्रमशः आगे करके चुनाव लड़गी। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने कहा, मध्यप्रदेश में कमलनाथ हमारे नेता हैं और उन्हीं के नेतृत्व में विधानसभा 2023 का चुनाव लड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग साजिश पूर्वक मेरे बयान को मेरी मंशा के विपरीत प्रस्तुत कर भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर रहे हैं, जब कि मैंने कहा है कि प्रदेश के प्रमुख नेताओं की बैठक में हम सबने कमलनाथ को अपना नेता मानकर उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की सहमति व्यक्त की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, मैंने ये जरूर कहा है कि परम्परा अनुसार विधायक दल की बैठक में नेता का चयन किया जाता है। यदि कहीं कोई दिक्कत आती है तो ही विधायक दल की बैठक में चुनाव होता है। उन्होंने कहा कि जब सभी ने कमलनाथ जी को नेता माना है और मैंने भी माना है, फिर इस बात को कुछ समाचार पत्रों ने तोड़-मरोड़कर प्रकाशित व प्रचारित किया है। मैं ऐसे किसी भी बयान का खंडन करता हूं, जो पार्टी में फूट डालने के मकसद से प्रकाशित किए गए हैं।

शिवराज ही होंगे भाजपा का चेहरा: विनय सहस्त्रबुद्धे

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे रविवार को राजगढ़ पहुंचे। वे यहां मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के चलाए जा रहे महासंपर्क अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। सहस्त्रबुद्धे ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताईं। उन्होंने मध्यप्रदेश में अगामी नवंबर माह में होने वाले विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर एक बड़ा खुलासा भी किया। पत्रकारों के सवालों के जवाब में साफ शब्दों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम पर मुहर लगाते नजर आए। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में आज हर गरीब को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। योजनाएं तो पहले भी बनाई जाती थीं, लेकिन गरीबों को कभी योजना का लाभ नहीं मिलता था।

लग गया दांव तो होगा बेड़ा पार

मप्र में कांग्रेस कर सकती है 150 सीटों पर कब्जा

- बीजेपी को एंटीइंकैंबेंसी का होगा नुकसान
- शिवराज से नाराजगी का लाभ उठा सकती है सबसे पुरानी पार्टी
- कमलनाथ-दिग्विजय की जोड़ी पर दारोमदार
- सिंधिया बन सकते हैं बीजेपी के तारनहार
- कांग्रेस के सामने 24 सीटें बचाने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अमेरिका दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया आने वाले विधानसभ चुनावों में दो-तीन राज्यों से भाजपा साफ हो जाएगी। इसी तरह कादाव उन्होंने अभी हाल ही में आगामी होने वाले विधानसभाचुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की हुई बैठककेबाद कहा था। इसमें उन्होंने दावा किया था मप्र में उनकी पार्टी 150 सीटें हासिल करेगी। कर्नाट चुनवों मे बढ़े उत्साह के बाद इसतरह का आत्मविश्वास होना लाजिमी है। हालाकि इस तरह बयान देकर राहुल माइंड गेम्स पॉलिटिक्स कर रह हैं। सका कितना लाभ कांग्रेस को मिल पाएगा ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में मध्य प्रदेश के नेताओं से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने सोमवार को बड़ा दावा किया था। पत्रकारों से बात करते हुए राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश में 150 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। मध्य प्रदेश में विधानसभा की कुल 230 सीटें हैं। राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। राहुल के दावे पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तंज कसा है। चौहान ने कहा कि कांग्रेस खयाली पुलाव पका रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इस पर चुटकी ली है. सिंधिया ने कहा- कांग्रेस की यही कठिनाई है कि बैठक दिल्ली में, बयान दिल्ली में और राज्य मध्य प्रदेश का। मध्य प्रदेश की जनता गुहार लगा रही है आपसे कि दिल्ली बहुत दूर है, कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस मध्य प्रदेश पर सबसे अधिक फोकस कर रही है, यहां भी कर्नाटक की तरह ऑपरेशन लोटस से सरकार गिर गई थी, ऐसे में राहुल के दावों का कई मायने भी निकाले जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के 53 जिलों की 230 विधानसभा सीटों को 6 जोन में बांटा गया है. 1. महाकौशल 2. विंध्य 3. ग्वालियर-चंबल 4. बुंदेलखंड 5. मालवा-निमार और 6. भोपाल- नर्मदांचल, सभी 6 जोन को लेकर कांग्रेस-बीजेपी की रणनीति, लोकल चेहरे, जातीय समीकरण और मुद्दों के साथ-साथ पिछले चुनाव के परिणाम का विश्लेषण किया गया है.

कांग्रेस के सामने 24 सीटें बचाने की ही चुनौती है। जबलपुर मेयर चुनाव में भले जीत मिल गई हो, लेकिन लोकल स्तर पर नेताओं की कमी है. जबलपुर, कटनी, डिंडौरी, बालाघाट में अच्छे उम्मीदवारों की तलाश करना भी आसान नहीं होगा. कई बड़े नेता कांग्रेस छोड़ बीजेपी में जा चुके हैं। 2018 की तुलना में इस बार बीजेपी आदिवासियों को मनाने में काफी हद तक कामयाब भी हुई है, ऐसे में अगर आदिवासी वोटबैंक कांग्रेस की बजाय बीजेपी में शिफ्ट हुआ तो पार्टी की टेंशन भी बढ़ सकती है.। यानी महाकौशल में कांग्रेस के सामने पिछली सीटों को बचाने की ही चुनौती है,यहां 24 से अधिक सीट जीतने का स्कोप कम ही है।

ग्वालियर में बीजेपी सिंधिया दोनों से जंग

ग्वालियर-चंबल की सियासत में 2 महत्वपूर्ण फैक्टर काम करता है- पहला, सिंधिया राजघराना और दूसरा दलित वोटर्स. ग्वालियर-चंबल में ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, दतिया, अशोकनगर, भिंड, श्योपुर और मुरैना जिले की 34 सीटें आती हैं। ग्वालियर-चंबल में 2018 तक कांग्रेस और बीजेपी दोनों की मजबूती की वजह सिंधिया राजघराना था। 2018 में ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में थे और यहां कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया था। कांग्रेस को दलित वोट भी जमकर मिले थे। इस वजह ग्वालियर-चंबल की 34 में से 25 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी और सिर्फ 8 सीटें बीजेपी को मिली। कांग्रेस के पास इस बार यहां सिंधिया फैक्टर नहीं है। 2020 में सिंधिया अपने साथ करीब 20 विधायक भी ले गए। कांग्रेस ने ग्वालियर-चंबल में बीजेपी को मात देने के लिए कई स्तर पर मोर्चेबंदी की है।

कमलनाथ का गढ़ है महाकौशल

महाकौशल जोन में 8 जिले जबलपुर, कटनी, डिंडौरी, मंडला, नरसिंहपुर, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा हैं, जिसमें विधानसभा की कुल 38 सीटें आती हैं। मध्य प्रदेश की पॉलिटिक्स में महाकौशल को कमलनाथ का गढ़ माना जाता है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने यहां पर बीजेपी को झटका देते हुए 24 सीटें झटक ली थी,बीजेपी को 13 और अन्य को यहां 1 सीटें मिली थी, यह परिणाम 2013 के बिल्कुल उलट था। 2013 में बीजेपी 24, कांग्रेस 13 और अन्य को 1 सीटों पर जीत मिली थी। महाकौशल के 38 में से 11 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित है, जबकि 3 सीटें दलितों के लिए, यानी महाकौशल में आदिवासी वोटबैंक काफी ज्यादा प्रभावी है। इसी को देखते हुए बीजेपी और कांग्रेस अपनी रणनीति तैयार करने में जुटी है। हाल ही में जबलपुर मेयर सीट पर हारने के बाद बीजेपी ने महाकौशल को लेकर अपनी रणनीति बदली है। पार्टी महाकौशल के कई सीटों पर इस बार सिविल सोसाइटी के लोगों को टिकट देगी. साथ ही प्रोफेशनल फील्ड के लोगों को भी तरजीह देने की तैयारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इस बार महाकौशल में सियासी घेराबंदी में जुट गई है। हाल ही में संघ ने महाकौशल के प्रांत प्रचार की जिम्मेदारी ब्रजकांत को दी है। 2022 में मोहन भागवत भी यहां संघ कार्यकर्ताओं से मिल चुके हैं।

विंध्य में ठाकुर और ब्राह्मण वोटरों पर नजर

विंध्य का समीकरण ठाकुर और ब्राह्मण वोटरों के ईर्द-गिर्द घूमता है। राजपूत कांग्रेस और ब्राह्मण बीजेपी के कोर वोटर्स माने जाते हैं. अर्जुन सिंह के वक्त विंध्य पर कांग्रेस का एकक्षत्र राज था, लेकिन 2008 के बाद बीजेपी ने जबरदस्त सेंध लगाई 2013 और 2018 में भी यहां बीजेपी का दबदबा रहा, 2018 में बीजेपी ने क्लीन स्विप ही कर लिया. वर्तमान में कांग्रेस के पास सभी 30 सीटों के लिए जिताऊ उम्मीदवारों की भी भारी कमी है। 2018 में कांग्रेस के बड़े चेहरे विंध्य में चुनाव हार गए. इनमें अजय सिंह और राजेंद्र सिंह जैसे दिग्गज नेता शामिल थे। 2018 में कांग्रेस विंध्य के 30 में से सिर्फ 5 सीटों पर जीत दर्ज कर पाई. इसके मुकाबले बीजेपी ने 24 सीटों पर जीत हासिल की। विंध्य में कांग्रेस को इस बार प्रदर्शन सुधरने की उम्मीद है।. इतना ही नहीं, खुद की परफॉर्मेंस से ज्यादा बीजेपी के बागी विधायक नारायण त्रिपाठी की नई पार्टी से कांग्रेस को उम्मीद है। त्रिपाठी ने विंध्य प्रदेश की मांग को लेकर बीजेपी से बगावत करते हुए अलग पार्टी बनाई है। त्रिपाठी विंध्य के सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है. त्रिपाठी अगर बीजेपी के वोट काटने में सफल हो जाते हैं तो कांग्रेस को इसका फायदा मिलेगा। 2013 में कांग्रेस विंध्य की 11 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अगर पार्टी 2013 का परफॉर्मेंस भी दोहरा पाती है तो ये बड़ी सफलता मानी जाएगी।

मालवा में भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस को होगा लाभ

2018 में कांग्रेस और बीजेपी के बीच मालवा-निमाड़ में टक्कर का मुकाबला रहा। कांग्रेस को इस बार यहां से बेहतर रिजल्ट की उम्मीद है. वजह है- राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा। कांग्रेस ने किसानों को साधने के लिए मालवा में ही भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी,राहुल की यात्रा 6 जिलों की 14 विधानसभा सीटों से होकर गुजरी थी, इनमें से अधिकांश सीटों पर पिछले चुनाव में बीजेपी ने जीत हासिल की थी। हालांकि, कई अन्य फैक्टर्स की वजह से कांग्रेस की राह में रोड़े भी कम नहीं है। मालवा-निमाड़ संभाग में नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, उज्जैन, शाजपुर, देवास, इंदौर, खंडवा, धार, झाबुआ, बुरहानपुर, खरगोन, अलीराजपुर और बड़वानी की 66 सीटें हैं, पिछले चुनाव में मालवा के कई जिलों में कांग्रेस बेहतरीन परफॉर्मेंस नहीं कर पाई। वहीं निमाड़ में बीजेपी फिसड्डी साबित हुई, 2018 में मालवा-निमाड़ की 66 में से 35 सीटें जीतने में कांग्रेस कामयाब हुई थी, 28 पर बीजेपी और सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। मालवा-निमाड़ में कांग्रेस के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस ने मालवा-निमाड़ जीतने के लिए जीतू पटवारी, अरुण यादव, सुरेंद्र शेरा और कांतिलाल भूरिया जैसे नेताओं को मैदान में उतारा है, लेकिन ये नेता अब तक अपने क्षेत्र को छोड़कर बाहर परफॉर्मेंस देने में नाकाम साबित हुए हैं।

बुंदेलखंड में बागेश्वर धाम सरकार का प्रभाव

आल्हा की धरती बुंदेलखंड में आस्था फैक्टर इस बार कुछ ज्यादा ही हावी रहने की उम्मीद है। वजह है- छतरपुर का बागेश्वर धाम सरकार. पिछले कुछ महीनों से बागेश्वर धाम सरकार बुंदेलखंड के साथ-साथ पूरे देश में जबरदस्त सुर्खियां बटोरी हैं। बागेश्वर बाबा के कार्यक्रम में बीजेपी के बड़े-बड़े नेता शामिल हो रहे हैं. कार्यक्रम में बागेश्वर धाम के सरकार धीरेंद्र शास्त्री हिंदुत्व के मुद्दे पर मुखर होकर बयान भी देते है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मध्य प्रदेश चुनाव में बागेश्व सरकार का रोल अहम रहने वाला है। बुंदेलखंड में विधानसभा की कुल 26 सीटें हैं और 2018 में कांग्रेस सिर्फ 7 सीट जीतने में सफल हो पाई थी। बीजेपी को 17 सीटों पर जीत मिली थी। बीजेपी इस बार क्लीन स्विप के मूड में है। कांग्रेस के पास न तो आस्था फैक्टर की काट है और ना ही बागेश्वर सरकार का, हालांकि, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमलनाथ को हनुमान भक्त कहकर प्रचारित कर रही है।

नर्मदांचल में दिग्गी पर सारा दारोमदार

भोपाल-नर्मदांचल में विधानसभा की कुल 36 सीटें हैं, जिसमें से 16 सीटों पर कांग्रेस ने 2018 में जीत हासिल की थी। पिछले चुनाव की तरह इस बार भी यहां नर्मदा में रेत उत्खनन का मुद्दा गर्माया हुआ है। दिग्गी की नर्मदा यात्रा की वजह से कांग्रेस करिश्मा करने में कामयाब हो गई थी, इस बार भी नर्मदांचल और भोपाल की सीटों का जिम्मा दिग्विजय सिंह के पास ही है, भोपाल की 4 सीटों पर कांग्रेस पिछले कई बार से जीत नहीं पाई है। नर्मदापुरम में भी पार्टी की यही स्थिति है। इन इलाकों में शिवराज सिंह काफी सक्रिय है. दिग्गी अगर पिछली बार की तरह करिश्मा करने में कामयाब रहते है तो यहां सीटों की संख्या बढ़ भी सकती है। बीजेपी 2018 में 10 हजार से कम वोटों से हारी हुई सीट पर अलग रणनीति तैयार कर रही है। इन सीटों पर बाहर के उम्मीदवारों को भी उतारने का प्लान है, ऐसे में भोपाल-नर्मदांचल में भी मुकाबला आमने-सामने का ही होने की संभावनाएं हे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कब रुकेंगे ऐसे रेल हादसे

भारत सरकार ने दावे किए थे कि रेल दुर्घटनाएं अब बीते समय की बाते होंगी। रेल मंत्रालय ने दावा किया था कि तकनीकि केद्वारा हादसों पर काबू पाने की कोशिश की जाएगी। पर जिस तरह से ओडीशा के बालासोर में तीन ट्रेनें टकाराई और 300 से ज्यादा की जा न चली गई उससे सरकारी दांवों की पोल खुल गई। सबसे बड़ी बात इस दुर्घटना को जिम्मेदार कौन होगा। अपने यहां विंडबना यही है घटनाओं के बाद जांच होती है उसके बाद खानापूर्ति के बाद मामला ठंड बस्ते में चला जाता है फिर अगले दुर्घटना केबाद ही चर्चा होती है। खैर इस हदसे में प्रथम दृष्टया जो जानकारी मिल रही उसमें सिगनल का न मिलना हादसे की वजह बताया जा रहा है। सबसे बड़ी बात सरकार ने रेल हादसों को रोकने के लिए कवच प्रणाली लगाने की बात की पर इस रुट पर अभी तक वह डिवाइस क्यों नही लगाई गई जबकि वह स्पीडी ट्रेनों का ट्रैक है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमारा ध्यान बचाव और राहत कार्यों पर है। जिला प्रशासन से मंजूरी मिलने के बाद इस मार्ग पर रेल सेवा की बहाली शुरू होगी। एक विस्तृत उच्च स्तरीय जांच की जाएगी और रेल सुरक्षा आयुक्त भी स्वतंत्र जांच करेंगे। बालासोर ट्रेन हादसा अबतक भारत में हुए रेल दुर्घटनाओं में से चौथी सबसे घातक हादसा है।

हादसे की भयावाह तस्वीरें सामने आने के बाद अन्य देशों के राजनेताओं ने भी इस पर शोक जताया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष चाबा कोरोशी ने ओडिशा में हुए इस ट्रेन हादसे में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस ट्रेन हादसे के बाद भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी को अपनी संवेदनाएं भेजी है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ , तुर्किए ने भी शोक जताया । कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ,जापान के पीएम फूमियो किशिदा , यूनाइटेड किंगडम विदेश सचिव जेम्स क्लेवर्ली ने भी शोक जताया है। रेलवे के जानकारों का कहना है कि इस हादसे के पीछे दो कारण नजर आ रहे हैं। पहला- मानवीय भूल और दूसरा- तकनीक में खराबी। इस हादसे के पीछे तकनीक में खराबी को अब तक बड़ी वजह माना जा रहा है। जब हादसा हुआ उस दौरान अगर सिग्नल सिस्टम दुरुस्त होते तो कोरोमंडल एक्सप्रेस को रोका जा सकता था। दरअसल, ड्राइवर ट्रेन को कंट्रोल रूम के निर्देश पर चलाता है और कंट्रोल रूम से निर्देश पटरियों पर ट्रैफिक को देख कर दिया जाता है। ऐसे में हादसे की जानकारी भी कंट्रोल रूम के पास पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, यह जानकारी कंट्रोल रूम तक कितनी देर में पहुंचती है, यह हादसे को रोकने में बड़ा फैक्टर हो सकता था। यह रेलवे का एक बहुत बड़ा सिस्टमेटिक फेल्युअर है।

“ जिस तरह से ओडीशा के बालासोर में तीन ट्रेने टकाराई और 300 से ज्यादा की जा चली गई उससे सरकारी दांवों की पोल खुल गई। हालांकि बचाव कार्य जारी है। सबसे बड़ी बात इस दुर्घटना को जिम्मेदार कौन होगा। अपने यहां विंडबना यही है घटनाओं के बाद जांच होती है उसके बाद खानापूर्ति के बाद मामला ठंड बस्ते में चला जाता है फिर अगले दुर्घटना केबाद ही चर्चा होती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ऊर्जा कूटनीति व रामायण सर्किट पर सहमत प्रचंड

पुष्परंजन

भारत नेपाल को कितनी बिजली निर्यात करता है, इसकी जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय ने 22 मार्च, 2022 को एक पीडीएफ के जरिये साझा की थी। पिछले साल तक भारत से 600 मेगावाट विद्युत नेपाल को भेजी जा रही थी, ताकि उसे ऊर्जा संकट से राहत मिल सके। 1 जून, 2023 को काठमांडो पोस्ट ने 'पावर शॉर्टेज कॉन्टीन्यूज एज जेनरेशन स्लंप्स' शीर्षक से खबर दी, जिससे जानकारी मिली कि नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) तराई के इलाकों में लगी फैक्टरियों को समय पर बिजली नहीं दे पा रहा है। उसका कारण जलस्तर का कम होना है। ख़बर में यह भी बताया कि भारत से जो बिजली नेपाल आयात कर रहा है, वो महंगी है। अब बताइये, जिस देश में बिजली का टोटा पड़ा हो, वो बांग्लादेश विद्युत निर्यात के लिए भारत से कॉरिडोर मांग रहा है। यह बात गले नहीं उतरती।

एनईए के प्रवक्ता सुरेश भट्टराई बताते हैं कि नेपाल में कुल जलविद्युत उत्पादन 700 से 800 मेगावाट है। कोयला, डीजल और अक्षय ऊर्जा, सारा कुछ मिलाकर 1300 मेगावाट बिजली का उत्पादन नेपाल कर पा रहा है। तराई के औद्योगिक क्षेत्रों में इन दिनों छह घंटे की बिजली कटौती नेपाल विद्युत प्राधिकरण कर रहा है। एक दिलचस्प ख़बर काठमांडो पोस्ट ने ही 17 मई, 2023 को प्रकाशित की। नेपाल-बांग्लादेश ने सचिव स्तर पर ऊर्जा सहयोग के वास्ते पांचवीं बैठक में एक समझौते के तहत तय किया कि नेपाल, बांग्लादेश को 40 से 50 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा। भूपरिवेष्ठित राष्ट्र नेपाल को सप्लाई कॉरिडोर देने के लिए नई दिल्ली ने पहले से सहमति दे दी थी। यह क्या अजीब नहीं लगता कि जिस देश में अपनी घरेलू जरूरतें पूरी करने के वास्ते बिजली नहीं है, वो एक तीसरे देश में विद्युत निर्यात करने के लिए अनुबंध कर रहा है? 'घर में नहीं है दाने, अम्मा चली भुनाने', वाली कहावत के हवाले से प्रचंड के आलोचक उन पर तंज कर सकते हैं, लेकिन उसका रास्ता लगता है प्रधानमंत्री मोदी ने निकाल लिया है।

ऐसी परिकल्पना की गई है कि जीएमआर, टाटा पावर, इप्पान, एसजेवीएन लिमिटेड जैसी भारतीय कंपनियों के सहयोग से नेपाल में जल विद्युत उत्पादन की जितनी परियोजनाएं संपूर्ण होंगी, अगले दस वर्षों में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, दक्षिण एशिया का निर्यातक देश नेपाल हो जाएगा। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में ऊर्जा, अधोसंरचना, हवाई मार्ग, अमलेखगंज

से चितवन तक पेट्रोलियम पाइप लाइन, उर्वरक कारखाना जैसी परियोजनाओं की झड़ी लगा दी है। कट्टर कम्युनिस्ट नेता प्रचंड ऊर्जा कूटनीति के साथ-साथ रामायण सर्किट के लिए सहमत हो जाएं, बड़ी बात है। इससे संकेत मिलता है कि 2024 चुनाव को ध्यान में रखकर सब कुछ तय हुआ है, जिसका प्रभाव नेपाल से सीमा साझा करने वाले पांच भारतीय प्रदेशों पर पड़ेगा। दोनों नेताओं ने सीमा संबंधी विवादित विषयों की समीक्षा करने, और उसे आने वाले दिनों में सुलझा लेने की बात कहकर नेपाल में माहौल बना रहे विरोधियों का मुंह बंद करने का प्रयास किया है। प्रचंड के नई दिल्ली आने से पहले सीमा विवाद पर भी बहस शुरू हो गई थी। नेपाली पक्ष का बरसों से दावा रहा है कि कालापानी, लिपुलेख, लिंपियाधुरा में 372 वर्ग किलोमीटर, गंडक क्षेत्र स्थित सुस्ता में 145 वर्ग किलोमीटर और शेष 69 स्थानों में लगभग 89 वर्ग किलोमीटर पर अतिक्रमण किया गया है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जब पहली बार नेपाल गये थे, इसका अहद किया गया था कि सीमा विवाद को स्थाई रूप से हम सुलझा लेंगे। इस 'भीष्म प्रतिज्ञा' के नौ वर्ष हो चुके हैं। हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं ने 'ईपीजी' (इमीनेंट पर्सन्स ग्रुप) की रिपोर्ट की चर्चा नहीं की। उभयपक्षीय विवादों को सुलझाने के वास्ते 2016 में केपी शर्मा ओली और नरेंद्र मोदी भारत-नेपाल के प्रसिद्ध लोगों का आठ सदस्यीय समूह बनाने पर सहमत हुए थे, जिसका नाम रखा गया, 'ईपीजी' (इमीनेंट पर्सन्स ग्रुप)। नेपाल की ओर से इस समूह के संयोजक हैं दिल्ली में नेपाल के राजदूत रह चुके एंबेसडर भेख बहादुर थापा, और भारत में भगत सिंह कोश्यारी इसका नेतृत्व कर रहे थे। 'ईपीजी' को सुझाव देना था कि दोनों देशों के बीच नागरिकों की आवाजाही, 1950 संधि के विवादित अनुच्छेदों को संशोधित करने का रास्ता क्या है।

'ईपीजी' की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है। रिपोर्ट प्रधानमंत्रियों को सौंपी गई अथवा नहीं? यह भी अंधेरे में है। मगर, समूह के कुछ सदस्य 'ऑफ द रिकार्ड' बातचीत में मानते हैं कि तीन मुख्य बिन्दुओं पर सहमति है। पहला, भारत-नेपाल संधि-1950 में बदलाव हो। दूसरा, दोनों देशों की आवाजाही में लोगों के पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य किये जाएं। तीसरा, नेपाल में काम करने के वास्ते वर्क परमिट की व्यवस्था लागू हो।

फर्ज पर भारी मुनाफा मोह से बढ़ते मर्ज

क्षमा शर्मा

कई माह पहले की बात है। सोसायटी के पार्क में बैठी थी। सर्दी के कारण धूप भी बहुत अच्छी लग रही थी। कि तभी एक परिचित महिला आ गई। उनके साथ उनकी युवा बेटी भी थी। बेटी तो घर चली गई, महिला पास ही बैठ गई। पता चला कि बेटी को डाक्टर को दिखाकर आ रही हैं। क्या हुआ पूछने पर माथे पर हाथ मारकर बोलीं-क्या बताऊं, अगर इसके सिर में दर्द हो जाए, एक छींक भी आ जाए तो पूरे घर को सिर पर उठा लेती है। फौरन डाक्टर के पास जाने को कहती है। पिछले दिनों खांसी हुई थी तो मैंने कहा शहद, काली मिर्च, अदरक दे देती हूं, खांसी-जुकाम ठीक हो जाता है, मैं बचपन से खाती आ हूं, मगर नहीं मानी। कहने लगी अगर तुम्हारे इलाज से ही सब ठीक हो जाएं तो डाक्टर तो अपनी प्रैक्टिस छोड़कर घर बैठ जाएं। तुम ही डाक्टर बन जाओ। मुझे नहीं खाना शहद, अदरक। डाक्टर के पास चलो। डाक्टर के पास ले गई। वहां ऐसी दवा मिली कि खांसी सूख गई।

वह और परेशान है। कहती है कि पता नहीं मुझे क्या हो गया है। रात-रात भर खांसती है। कहती है कि अगर दो दिन में ठीक नहीं हुई तो अस्पताल में दाखिल हो जाएगी। डाक्टर ने दवा बदली है, मगर यह इलाज को भी टू मिनट नूडल समझती है कि इधर गोली खाए और उधर एकदम से ठीक हो जाए। ऐसा भी कहीं होता है। डाक्टर के पास कोई जादू थोड़े ही है। दवा को भी असर करने में वक्त लगता है। इस जेनरेशन में अधिकांश युवाओं का यही हाल है। मामूली चीजों के लिए भी किसी इमरजेंसी की तरह डाक्टर के पास भागते हैं, जबकि बहुत-सी चीजें घरेलू ढंग से भी ठीक हो सकती हैं। मैंने कहा-हां, यूरोप और अमेरिका में तो बुखार के लिए भी बहुत से डाक्टर दवा तक नहीं देते। कहते हैं कि घर जाकर आराम करो। अपने आप ठीक हो जाएंगे। जबकि अपने यहां हर जगह यही सलाह दी जाती है कि जल्दी से जल्दी डाक्टर के पास जाएं। कई बार डाक्टर भी ऐसे मरीजों से तंग आ जाते हैं। फिर गम्भीर बीमारियों को लेकर दुनियाभर में डर इतना ज्यादा है कि लगता है कि कहीं कोई फोड़ा हो जाए, कोई गिल्टी हो जाए, कहीं से खून निकलने लगे तो पहला खयाल यही आता है कि कहीं कैंसर तो नहीं।

कई साल पहले अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय युवा को रात में पेट दर्द हुआ। अगली सुबह डाक्टर ने बहुत से टेस्ट्स लिखे। टेस्ट्स की रिपोर्ट लेकर वह फिर डाक्टर के पास पहुंचा। डाक्टर को रिपोर्ट्स से कुछ समझ में नहीं आया तो उसने फिर टेस्ट्स लिखे। ऐसा कई दिन तक होता रहा। लड़का पेट दर्द से परेशान था। रह-रहकर दर्द हो रहा था। लड़के ने तंग आकर डाक्टर से पूछा कि आखिर उसे क्या लग रहा है। किस कारण से दर्द हो रहा है। डाक्टर ने कुछ झिझकते हुए कहा कि वह किसी तरह के कैंसर का शक कर रहा है। लड़का घबरा गया। घर वापस आकर सोचने लगा कि क्या करे। बूढ़े माता-पिता को यह खबर मिलेगी, तो उन पर क्या गुजरेगी। लेकिन क्या करता। अंत में उसने अपनी मां को पेट दर्द के बारे में बताया।

मां ने कहा कि नीबू पानी में काला नमक और भुना जीरा डालकर दो-तीन दिन तक दिन में कई बार पिए और खाने में खिचड़ी, दलिया ही खाए। युवा ने मां के बताए करना शुरू किया और आश्चर्य उसका पेट दर्द ठीक हो गया, लेकिन अभी असली किस्सा बाकी था। जिस डक्टर से इलाज कराया था और जिस लैब से टेस्ट्स, वहां का बिल आया, इक्कीस हजार डालर। जो रोग मामूली-सा था, काले नमक और नीबू पानी और खान-पान में परहेज से ठीक हो गया, उसके लिए युवा को इतनी बड़ी रकम चुकानी पड़ी। यह हर बात पर जो इमरजेंसी और भयंकर रोग लगता है हो सकता है कि वह कुछ न हो जैसा कि उस युवक के साथ हुआ फिर भी भारी-भरकम रकम चुकानी पड़ी। क्योंकि पूरे विश्व में मेडिकल सेक्टर आजकल समाज सेवा नहीं पैसा कमाने का धंधा है। हालांकि आज भी अपने देश में ऐसे बहुत से डाक्टर्स हैं जो बहुत मामूली फीस में इलाज करते हैं। अपने मरीजों की परवाह करते हैं। जरूरत से ज्यादा टेस्ट्स नहीं कराते। मरीजों की बात भी सुनते हैं। लेकिन अक्सर ये परिदृश्य से गायब रहते हैं। इनकी चर्चा करने की जरूरत भी कोई नहीं समझता। अक्सर मीडिया में भी ब्रांड वाले महंगे डाक्टर्स की चर्चा होती है। युवा किसी बीमारी में इन्हीं से समय मिलने की चाहत रखते हैं। फिर युवाओं में एक असुरक्षा की भावना भी होती है जो छोटी-मोटी तकलीफों में भी डाक्टर के पास जाना चाहते हैं।

कारण यह भी है कि जहां काम करते हैं, वहां भी बीमारी को किसी आफत की तरह देखा जाता है। अगर बीमारी की बात तक करें तो कह दिया जाता है कि यार बीमार ही पड़ते रहोगे तो नौकरी कैसे करोगे। कोई बीमारी की ज्यादा छुट्टी ले, तो उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। इसलिए वे जल्दी से जल्दी ठीक होना चाहते हैं। इसीलिए जरा से जुकाम-खांसी को भी वे कोई खतरनाक बीमारी समझते हैं। जबकि बहुत-सी बीमारियों में घरेलू इलाज और उपाय भी बहुत कारगर होते हैं। पहले कहा जाता था कि साल में एक बार पूरे शरीर का चैकअप करा लेना चाहिए, फिर कहा गया कि छह महीने में और अब तीन ही महीने में। हम जानते हैं कि इस तरह के टेस्ट्स में बहुत-सी पैथ लैब्स और बहुत से डाक्टरों की क्या भूमिका होती है। डाक्टर, पैथ लैब और दवा बनाने वाली कम्पनियों का ऐसा माफिया तैयार हो गया है कि हर बात पर भारी-भरकम कमीशन बंधा होता है।

डायबिटीज के पेशेंट ऐसे करें साइकिलिंग

भारत में लगभग 77 मिलियन लोग डायबिटीज से ग्रस्त हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, 2030 तक इस बीमारी से पीड़ित होने वाले लोगों की संख्या 79.4 मिलियन के करीब होगी। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई कारकों की जांच की है (जैसे आहार और जीवनशैली), जो इस समस्या को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरल शब्दों में कहें तो डायबिटीज को 'ह्यूमन एनर्जी क्राइसिस डिसॉर्डर' कहा जा सकता है। टाइप 1 का मतलब है शरीर कोई इंसुलिन नहीं बना सकता। यह हार्मोन होता है, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है। टाइप 2 का मतलब है कि शरीर इंसुलिन पर्याप्त मात्रा में नहीं उत्पन्न कर सकता है या उत्पन्न हो रहा इंसुलिन पर्याप्त रूप से कार्य नहीं कर पाता है। इंसुलिन आपके ब्लड ग्लूकोज लेवल को मैनेज करता है। आपके आहार के ग्लूकोज को कोशिकाओं में ले जाता है। इस ग्लूकोज लेवल के बिना ये शुगर अंगों और ऊतकों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देते हैं। यदि उपचार न किया जाए तो वे घातक हो जाते हैं।

व्यक्तिगत योजना बनाएं

अगर आप राइड पर निकलने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले अपने डॉक्टर से राय लें। वो आपकी साइकलिंग और एक्सरसाइज के लक्ष्यों के अनुरूप एक योजना बनाने में मदद करेंगे। इसे डायबिटीज मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए आसानी से किया जा सकता है। बेहतर ट्रेनिंग टाइम, आवश्यक डाइट, स्वयं निगरानी कैसे करें, इन सब के लिए मदद करेगी। जब आप इसके लिए एक बार तैयार हो जाएंगे, तो आप 1 घंटे से भी अधिक समय के लिए साइकलिंग कर सकेंगे।

ब्लड शुगर लेवेल मॉनिटर करें

साइकलिंग एक ऐरोबिक एक्सरसाइज है, जिसकी मात्रा आपके ग्लूकोज़ लेवल की तीव्रता पर निर्भर करती है। इसका अर्थ है कि आपका ब्लड शुगर लेवल किसी भी समय बदल सकता है। यदि आप डायबिटिक राइडर हैं और एक रेस में हिस्सा ले रहे हैं, तो राइड की शुरुआत पर और पूरी रेस के दौरान आपके ब्लड शुगर में अंतर देखी जा सकती है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने शरीर के ग्लूकोज के प्रति विभिन्न प्रतिक्रियाओं को समयावधि के दौरान ध्यान में रखें। पहले से निश्चित ट्रैक और साइकलिंग के साथ छोटी अवधि में अभ्यास करें। अपने ब्लड शुगर की जांच करें। व्यायाम से पहले और बाद में ब्लड शुगर को ट्रैक करने के लिए ग्लूकोमीटर का प्रयोग करना अच्छा होता है।

अपने शरीर को भरपूर पोषण दें

साइकिल चालने की शुरुआत से लेकर अंत तक, आपको अपने शरीर के संकेतों पर ध्यान देना होगा। कम शुगर लेवल को नियंत्रित करने के लिए कार्बोहाइड्रेट सोर्स जैसे स्नैक्स या ग्लूकोज टैबलेट्स को साथ रखना चाहिए। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पर्याप्त पानी पिएं वरना ब्लड शुगर लेवल पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। बैलेंस डाइट को प्राथमिकता देने, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और हेल्दी फैट के संयोजन के साथ-साथ, ब्लड शुगर को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी, साथ ही शरीर में ऊर्जा भी बरकरार रहेगी।

जरूरी चीजों को साथ रखें

साइकलिंग के दौरान अपने ग्लूकोमीटर, टेस्ट स्ट्रिप, इंसुलिन, सिरिंज या इंसुलिन पेन और अन्य जरूरी दवाओं जैसी आवश्यक सामग्री को साथ रखें। किसी भी एक्टिविटी को शुरुआत में कम करें। धीरे-धीरे समय सीमा बढ़ाएं। ब्लड शुगर लेवल और एक्सरसाइज की अवधि के लिए उचित निर्णय लें। शरीर को फिट और स्वस्थ रखने के लिए साइकलिंग एक शानदार तरीका है। ऐसे में 'विश्व साइकलिंग दिवस' पर आपको इसकी शुरुआत करनी चाहिए।

डायबिटीज के मरीजों के लिए एक बेहतरीन गतिविधि है साइकिल चलाना

अक्सर डायबिटीज के मरीज हाई इंटेंसिटी वाली एक्टिविटीज करने से बचते हैं। उन्हें लगता है कि वे इस तरह की एक्टिविटीज को आसानी से नहीं कर सकते। ऐसे में यहां ये सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज पेशेंट के लिए किसी भी हाई इंटेंसिटी वाली एक्टिविटी जैसे साइकलिंग करना कठिन होता है? क्या डायबिटीज होने पर इस तरह की एक्टिविटी करने से बचना चाहिए? बीटओ के फाउंडर एंड सीईओ गौतम चोपड़ा कहते हैं, नहीं, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। बेशक, जिन्हें डायबिटीज नहीं है, उनके मुकाबले डायबिटीज पेशेंट के लिए चुनौती दोगुनी हो सकती है, लेकिन उचित कदमों के साथ इस चुनौती को आसानी से पूरी भी की जा सकती है। साइकिल चलाना डायबिटीज के मरीजों के लिए एक बेहतरीन गतिविधि है। चाहे आप एक खिलाड़ी हों या शौकिया साइक्लिस्ट, यहां कुछ महत्वपूर्ण तरीके बताए गए हैं, जन्हें आप अपनी दिनचर्या में शामिल करते हुए बिना चिंता किए इस तीव्र गतिविधि वाले कार्य को आराम से कर सकते हैं।

हंसना मना है

Offline रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है Online होते ही धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए होने लगती है। आम भारतीय नागरिक।

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हँसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं कंडक्टर: अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का: ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्युंकि मैं एक शेर कि औलाद हुँ। लड़की: अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी सोलिड वाली बेईज्जती।

लडका: मैं उस लडकी से शादी करूंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका: मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है

महिला: डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूँ? डॉक्टर: उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

कहानी — कुशल-ककड़ी

एक विद्वान परिवार में सात भाई और एक बहन थी। परिवार का सबसे बड़ भाई बहुत ही शीलवान और गुणी था। उसने अपने काल की अनेक विद्याओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया था। जब उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई तो उसने संयास वरण करने का निश्चय किया। भाई के आदर्शों पर चलने वाले उसके छोटे बहन-भाई भी उसका अनुकरण करना चाहते थे। उनके साथ ही उनकी सेवा-टहल के लिए उनका एक नौकर और एक नौकरानी भी हो ली। उन लोगों ने वन में एक जलाशय के किनारे अपनी अलग-अलग कुटिया बनाई। फिर उन्होंने यह व्रत लिया कि दिनभर में वे केवल एक बार ही भोजन करेंगे और प्रत्येक पाँचवें दिन बड़े भाई के उपदेश सुनने के लिए इकट्ठा होंगे। नौकरानी उनके लिए प्रतिदिन कमल की ककड़ी जलाशय से निकाल आठ बराबर भागों में बाँट, दो लकड़ियों को बजा उन सभी को यह सूचना दिया करती थी कि उनका भोजन तैयार है। वे भाई-बहन उम्र के क्रम से आते और अपना हिस्सा उठा पुनः अपनी कुटिया में लौट जाते। हाँ, प्रत्येक पाँचवें दिन वे सभी बड़े भाई का उपदेश को सुनने अवश्य इकट्ठे होते थे। उनकी कठिन साधना को देख, परीक्षण हेतु एक शातिर शरारती प्रतिष्ठित धूर्त एक दिन वहाँ पहुँचा। उस दिन नौकरानी ने जब लकड़ियाँ बजा कर कुटिया-वासियों को यह संदेश दिया कि उनका भोजन तैयार है, तो प्रतिष्ठित धूर्त ने अदृश्य रूप से बड़े भाई के हिस्से की कमल-ककड़ी चुरा ली। बड़े भाई ने, जो सबसे पहले वहाँ पहुँचता था, जब अपने हिस्से की ककड़ी गायब देखी तो वह चुपचाप ही अपनी कुटिया को लौट गया। फिर शेष भाई-बहन आते गये और अपने हिस्से का भोजन लेकर अपनी-अपनी कुटिया को लौट गये। इस प्रकार पाँच दिनों तक प्रतिष्ठित धूर्त ने वैसा ही किया जिससे बड़ा भाई बिना भोजन किये ही साधना करता रहा और उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया। पाँचवे दिन जब सारे भाई-बहन, नौकर-नौकरानी बड़े भाई के उपदेश सुनने इकट्ठे हुए तो वह बिल्कुल रुग्ण दीखा। उसके मुख से भी आवाज ठीक से नहीं निकल रही थी। कारण जानने के बाद सभी बड़े खिन्न हुए। फिर भी उन्होंने चोर की भर्त्सना नहीं की बल्कि उसकी मंगलकामना की। इसे सुनकर प्रतिष्ठित धूर्त लज्जित हुआ और उनसे क्षमा मांगी और बड़े भाई के शील-व्रत की विशेष प्रशंसा की।

12 अंतर खोजें

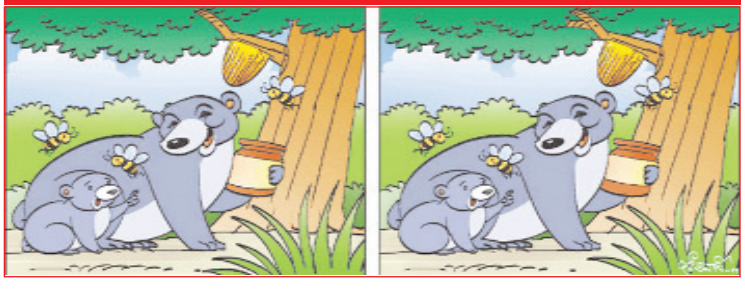

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपको अपनी सेहत के प्रति लापरवाही करना भारी पड़ सकता है। दरअसल, आज आपको मौसम से संबंधित बीमारी जैसे सर्दी जुकाम की समस्या हो सकती है।

वृषभ — आज आप शॉपिंग में काफी पैसा और समय खर्च करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ेगा। आज आप अपने निजी जीवन को लेकर कुछ निराश हो सकते हैं।

मिथुन — आज का दिन आमदनी के मामले में काफी अच्छा रहने वाला है। आज आपको अच्छा खासा धन प्राप्त होगा। यदि आपने कहीं पैसा लगाया है तो उससे आपको अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है।

कर्क — आज अपने मन में किसी तरह को कोई संदेह नहीं रखना चाहिए क्योंकि, किसी भी प्रकार का संदेह आज आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल दें।

सिंह — आज आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। आप जिस भी काम के बारे में सोचेंगे वह सभी पूरे होंगे। अगर आपने जमीन-जायदाद से जुड़े किसी काम में हाथ डाला है तो उसमें भी सफलता आपके कदम चूमेगी।

कन्या — आज अपने अंदर आत्मविश्वास जगाने से आपको अपने रिश्ते में प्यार मिलेगा और कार्यों में सफलता हासिल होगी। इनकम को लेकर दिन सामान्य रहेगा, लेकिन खर्चे तेजी से बढ़ते हुए नजर आएंगे।

तुला — आज खुलकर अपनी लव लाइफ को जिएंगे और मन में प्रेम को लेकर उत्साह रहेगा। आज आपका साथी उन पलों का भरपूर आनंद उठाएगा। आज कामकाज के मामले में भी दिन आपके पक्ष में रहने वाला है।

वृश्चिक — आज का दिन रौनक लेकर आएगा। आप घर में कोई फंक्शन आदि के आयोजन पर चर्चा कर सकते हैं। इतना ही नहीं आज घर की शोभा बढ़ाने के लिए कुछ नया खरीद सकते हैं।

धनु — आज अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने दोस्तों के साथ समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। आप कोई सरकारी कामकाज करते हैं तो आपको लाभ हासिल होगा।

मकर — मकर राशि के जो लोग काफी भावुक हैं वह आज काफी मजबूत स्थिति में नजर आएंगे। आज घर परिवार में चल रही परिस्थितियों पर आपका पूरा कंट्रोल रहने वाला है। साथ ही आज घर में खुशहाली आएगी।

कुम्भ — कुंभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहेगा। मौसम के बदलाव से आप बीमार पड़ सकते हैं। सावधान रहें कार्य में रुकावट आने की संभावना अधिक रहेगी।

मीन — आज का दिन धन संबंधी मामलों में लाभ कराने वाला साबित होगा। आज आपको काम में भी सफलता हासिल होगी। प्यार मोहब्बत के मामले में आज का दिन बहुत ही अच्छा साबित होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

द केरल स्टोरी से समाज में बदलाव शुरू : योगिता

सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी फिल्म द केरल स्टोरी को रिलीज से पहले और रिलीज के बाद भी तमाम विवादों का सामना करना पड़ा। हालांकि, इन सबके बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी कमाई की है। वहीं, अब इसकी एक्ट्रेस योगिता बिहानी इसकी सफलता और खुद को मिले घर-घर में पहचान को लेकर अपनी खुशी जाहिर करती नजर आई हैं। योगिता ने बताया है कि दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली प्रशंसा और प्यार उनके करियर को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। योगिता बिहानी से हालिया इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या उन्हें ऐसा लगता है कि द केरल स्टोरी जैसी फिल्म समाज में बदलाव ला सकती है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, मेरा मानना है कि फिल्म के प्रभाव के कारण बातचीत शुरू हो चुकी है, जैसा कि मैं लोगों के साथ बातचीत करती हूं, कई व्यक्त करते हैं कि वे पहले फिल्म में संबोधित कुछ मुद्दों से वाकिफ नहीं थे, जबकि अन्य ऐसे विषयों से संबंधित व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी ने साझा किया कि उनके कॉलेज का एक वरिष्ठ आईएसआईएस में शामिल हो गया था। इससे साफ होता है कि मूवी ने लोगों में जागरूकता फैलाई है। योगिता से अगला सवाल पूछा गया कि क्या उन्हें अपनी अब तक की जर्नी देखकर ऐसा लगता है कि अभी उन्हें सही अवसर के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, द केरल स्टोरी से पहले, मैं एके बनाम एके और विक्रम वेधा जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी थी, इसलिए मैं इसे लंबा इंतजार नहीं मानती। इंडस्ट्री में प्रगति के लिए एक एक्टर के रूप में धैर्य और विकास की आवश्यकता होती है। मैं अपने करियर की दिशा से संतुष्ट हूं और मेरा मानना है कि सफलता समय और समर्पण के साथ आती है। योगिता ने फिल्मों के लिए टेलीविजन से ब्रेक लेने के सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हां, मैंने टेलीविजन से ब्रेक जरूर लिया था। उस समय तक, मैं माध्यम से आगे निकल चुकी थी। अगर मैं अभी भी इससे संतुष्ट होती, तो मैं टेलीविजन में काम करना जारी रखती।

अब थिएटर्स में भी रिलीज हुई सिर्फ एक बंदा काफी है

मनोज बाजपेयी की फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है अब थिएटर्स में भी रिलीज हो गई है। OTT के बाद थिएटर्स में रिलीज होने वाली ये पहली फिल्म है। जाहिर है कि 23 मई को फिल्म ZEE 5 पर स्ट्रीम होनी शुरू हुई थी। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फिल्म को लेकर जबरदस्त रिस्पॉन्स सुनने और देखने को मिल रहा था।

फिल्म के मेकर्स काफी दिनों से इसे थिएटर्स में रिलीज करने की बात कर रहे थे। अब दिल्ली, मुंबई और यूपी सहित देश के पांच राज्यों में फिल्म को रिलीज किया गया है। मनोज बाजपेयी ने कहा कि लोगों की काफी ज्यादा डिमांड थी कि इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए, इसलिए उनकी भावनाओं का सम्मान किया गया है।

मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि OTT पर आने के बाद इसे थिएटर्स में कोई क्यों देखना चाहेगा। जवाब में उन्होंने बात करते हुए कहा- फिल्म का थिएटर्स में रिलीज होना एक संदेश देता है।

सोशल मीडिया पर लोगों की हैवी डिमांड थी कि फिल्म को थिएटर में रिलीज किया जाए। वे इसे बड़े पर्दे पर देखना चाहते थे। अब हम उन्हें ये मौका दे रहे हैं कि वे फिल्म को बिग स्क्रीन पर भी एंजॉय कर सकें। मनोज का कहना है कि फिल्में पहले सिनेमाघरों में रिलीज होती हैं, उसके बाद OTT पर आती हैं, लेकिन ये पहली फिल्म है, जो OTT से होकर बड़े पर्दे पर जा रही है। मनोज ने कहा- मुझे लगता है कि हमारे इस कदम से लोगों के सोचने का नजरिया बदलेगा। मुझे लगता है कि इन दोनों मीडियम को (OTT और थिएटर्स) एक दूसरे के कंपटीशन की तरह नहीं बल्कि एक दूसरे के साथ काम करना चाहिए। मनोज ने कहा कि फिल्म कितनी कमाई कर रही है, वो इस फिल्म के लिए सेकेंडरी हो गया है। उन्होंने कहा- जब ये फिल्म OTT पर रिलीज हुई तो किसी ने इसके नंबर्स के बारे में बात नहीं की। अब जब फिल्म थिएटर्स में रिलीज हो गई है तो लोग इसके क्राफ्ट, क्रिएटिविटी और कैमरा वर्क के बारे में बात करेंगे। फिल्म का कलेक्शन कितना है, ये सब सोचना प्रोड्यूसर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स का काम है।

इलियाना ने किया अपने बच्चे के पिता का खुलासा

इलियाना डिक्रूज हैं प्रेग्नेंट! इस साल अप्रैल में एक्ट्रेल ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वह एक बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। फैंस यह जानने के लिए उत्सुक थे कि पिता कौन है। हालांकि इलियाना ने अभी तक अपने रिश्ते के बारे में खुलासा नहीं करने का फैसला किया है। इलियाना डिक्रूज हैं प्रेग्नेंट! इस साल अप्रैल में एक्ट्रेल ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वह एक बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। फैंस यह जानने के लिए उत्सुक थे कि पिता कौन है। हालांकि इलियाना ने अभी तक अपने रिश्ते के बारे में खुलासा नहीं करने का फैसला किया है। आज यानी 2 जून को एक्ट्रेस ने आखिरकार अपने मिस्ट्री मैन की एक झलक शेयर कर दी है। इलियाना इन दिनों बीच पर बेबीमून पर हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक शख्स का हाथ थामे तस्वीर शेयर की है।

इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपने मिस्ट्री मैन के साथ बेबीमून पर हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक नई फोटो शेयर की है, जिसमें वह एक शख्स के साथ डिनर करती नजर आ रही हैं। हालांकि उनका चेहरा नहीं देखा जा सकता है। फोटो में इलियाना शख्स का हाथ थामे नजर आ रही हैं। दोनों की उंगलियों में अंगूठियां हैं। यह पता नहीं चल पाया है कि इलियाना ने उस लड़के से सगाई की है या नहीं। फोटो को शेयर करते हुए दिवा ने लिखा, रोमांस का मेरा विचार स्पष्ट रूप से उन्हें शांति से खाने नहीं दे सकता।

18 अप्रैल को इलियाना ने सभी को चौंका दिया जब उन्होंने घोषणा की कि वह अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उसने अपने इंस्टाग्राम पेज पर दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें साझा कीं। इलियाना ने कैप्शन के साथ गर्भावस्था की घोषणा की, जल्द आ रहा- रही है।

अजब-गजब | क्रिसमस के दिन सुनामी में बह गई थी ट्रेन

यहां हुआ था दुनिया का सबसे बड़ा रेल हादसा, 1700 लोगों की गई थी जान!

ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे ने भारत को हिलाकर रख दिया है। इसे भारत का दूसरा सबसे बड़ा रेल हादसा बताया जा रहा है जिसमें खबर लिखे जाने तक 288 लोगों के मौत की सूचना है। इससे पहले भारत का सबसे बड़ा रेल हादसा 1981 में बिहार में हुआ था जब ट्रेन नदी में गिर गई थी और इस हादसे में करीब 800 लोगों की मौत हो गई थी। पर दुनिया के सबसे बड़े रेल हादसे के सामने ये आंकड़े काफी कम हैं। ये हादसा श्रीलंका में हुआ था और इसने मौत का ऐसा भयानक रूप देखा था, जो पहले लोगों ने कभी नहीं देखा था।

ये रेल हादसा क्रिसमस के एक दिन बाद 26 दिसंबर 2004 को श्रीलंका में हुआ था। गार्जियन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार समुद्रदेवी नाम की ये ट्रेन कोलंबो शहर से गाले शहर जा रही थी। सुबह के साढ़े 6 बजे ट्रेन कोलंबो फोर्ट स्टेशन से 1500 पेड यात्री (जिनके पास टिकट थे) और कई अनपेड यात्रियों (जिनके पास टिकट नहीं थे या वो ट्रैवल पास धारक थे) को लेकर चली थी। ये ट्रेन श्रीलंका के दक्षिण-पश्चिमी तट के पास, तेलवट्टा से होकर गुजरती थी जो समुद्र से सिर्फ 200 मीटर की दूरी पर था।

आ गई सुनामी

सुबह के साढ़े 9 बजे, ट्रेन तेलवट्टा के पास पेरालिया गांव पहुंची थी जब भूकंप के कारण सुनामी आ गई और बीच पर पहली लहर आई। लहर काफी तेज थी जिसने बीच को तो डुबा ही दिया, साथ ही ट्रेन तक भी चली आई और ट्रेन को पानी से डुबो दिया। अंदर पानी भर गया तो लोग घबराकर ट्रेन के ऊपर चढ़ने लगे। बहुत से लोग ट्रेन के पीछे खड़े हो गए जिससे वो लहरों से बच सकें। पर जब 10 मिनट बाद दूसरी लहर आई तो उसका रूप इतना विकराल था कि उसने पूरी ट्रेन को अपने साथ बहा लिया। ट्रेन पास के घरों और पेड़ों से जाकर टकरा गई और इस हादसे में 1700 के करीब लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक आंकड़ा 1700 था पर रिपोर्ट्स के अनुसार ये आंकड़ा 2000 से भी ज्यादा था। 900 लाशों को बरामद किया जा सका पर कई समुद्र के साथ ही बह गईं। सिर्फ 150 लोगों की जान इस हादसे में बच पाई थी।

सुंदर कहलाने से महिला को होती थी चिढ़, माथे पर उगवा लिए सींग

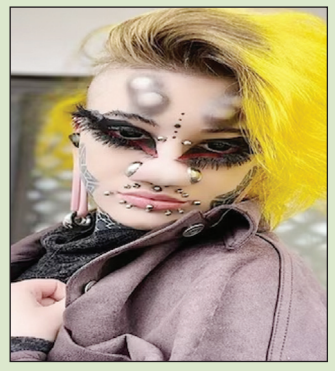

भगवान ने हर किसी को काफी सोच समझकर बनाया है। अपने हिसाब से भगवान ने सबको सुंदर बनाया है। कुछ लोग खुद को जैसे हैं, वैसे ही एक्सेप्ट कर लेते हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जो अपने लुक से संतुष्ट नहीं होते। वो अपने लुक को बदल कर और भी अच्छा करने में लग जाते हैं। इसके लिए मेकअप से लेकर कई तरह के कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लिया जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि एक ऐसी महिला है जिसे सुंदर दिखने की जगह बदसूरत बनना है तो हम जिस महिला की बात कर रहे हैं उसने बदसूरत बनने के लिए लाखों खर्च कर दिए। जी हां, अमेरिका के कंसास शहर की रहने वाली सत्ताईस साल की जेस्सी को ये बात अच्छी नहीं लगती थी कि कोई उसकी तारीफ करे। अपने लुक से वो बिलकुल संतुष्ट नहीं थी। उसे ऐसा लगता था कि वो बेहद साधारण नजर आती है। इस वजह से उसने अपना ट्रांसफॉर्मेशन करवाने का फैसला किया। इस फैसले के बाद जो लुक सामने आया, उससे लोग भले ही उसकी बुराइयां करने लगे लेकिन जेस्सी अपने लुक से अब कॉन्फिडेंट महसूस करती है। जेस्सी ने अपने माथे पर सींग बनवा लिए। साथ ही उसने अपने कान भी सर्जरी से लंबे खिंचवा लिए। लेकिन अभी भी जेस्सी अपने लुक से संतुष्ट नहीं है। जेस्सी के मुताबिक, जब सामने खड़ी होती है, उसे ऐसा लगता है कि कुछ कमी है। अब वो अपने आंखों की पुतलियों को इंक करवाने की फिराक में है। साथ ही अपने लंबे कान से भी वो छुटकारा पाना चाहती है। वो एल्फ की तरह कान कटवा लेने की सोच रही है। इसके अलावा अपने दांत भी वैम्पायर जैसे बनवाना चाहती है। जेस्सी के मुताबिक, इस लुक से उसके अंदर आत्मविश्वास आता है। उसे नॉर्मल बोरिंग लगता है और भला कौन बोरिंग लाइफ पसंद करता है?

भाजपा सांसद का दरोगा ने पकड़ लिया कॉलर

सांसद सुब्रत पाठक ने लगाया आरोप, पुलिस बोली- उन्होंने मारपीट की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। भाजपा सांसद ने अपनी ही सरकार के पुलिस के रवैये पर गंभीर सवाल उठा दिये है। कन्नौज के सासंद सुब्रत पाठक ने पुलिस से मारपीट करने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद से पुलिस के खिलाफ लगातार आरोप का सिलसिला जारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता के साथ मारपीट करने की सूचना पर मंडी समिति पुलिस चौकी पहुंचने पर दारोगा हाकिम सिंह ने मेरा कॉलर पकडकर अभद्रता की थी। पहचानने से इंकार किया था। इस पूरे मामले को लोकसभा में उठाने की भी बात कही है। मुख्यमंत्री से मिलकर पूरे प्रकरण की शिकायत करने की बात कही। एसपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

सांसद सुब्रत पाठक ने रविवार को अपने कार्यालय पर मीडिया से रूबरू होकर कहा कि शुक्रवार की रात जानकारी मिली थी कि पार्टी के एक कार्यकर्ता को पुलिस ने उठाया है और उससे मारपीट रही है। उस मामले में पूछताछ के लिए मंडी पहुंचे थे। कहा कि उन्नाव के थाना औरास में करीब रात साढ़े आठ बजे एक मुकदमा लिखा गया। मुकदमा लिखने से पहले ही पुलिस कन्नौज पहुंच गई थी। कहा कि बगैर मुकदमा दर्ज किए दूसरे जनपद से आकर पुलिस किसी को उठाकर लाती है। उस जनपद के एसपी और इंस्पेक्टर को जानकारी तक नहीं होती है। चौकी इंचार्ज टीम से मिलीभगत करके वहां से जाने देता है।

सीएम और डीजीपी को देंगे जानकारी

सांसद ने कहा कि मामला बहुत गंभीर है, यह जांच का विषय है। कहा कि मुख्यमंत्री, डीजीपी व सभी वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिख रहा हूं। आखिर जो मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ तो दूसरे जनपद में जाकर कैसे किसी को उठाया जा सकता है। इसलिए मामले का संज्ञान लिया जाए। बताया कि पार्टी कार्यकर्ता समुद्र श्रीवास्त का उस मुकदमा में नाम भी नहीं फिर भी पुलिस ने उसको उठा लिया और उसका उत्पीड़न किया गया। पूरे मामले में अब पुलिस लीपापोती करने में जुटी है।

पुलिस कर रही कार्यकर्ताओं का अपमान

सांसद ने एसपी कन्नौज पर आरोप लगाते हुए कहा कि इसके लिए एसपी दोषी हैं। मंडी में महिला कार्यकर्ता व अनुसूचित समाज के कार्यकर्ता व अति पिछड़ा समाज के कार्यकर्ता का अपमान किया। सांसद ने कहा कि मंडी में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। मांग की है कि मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच हो। जिससे हकीकत समाने आ सके। अपने दावे को दोहराया कि उन्होंने किसी तरह की मारपीट नहीं की है। जो कुछ भी हुआ है, वह सीसीटीवी कैमरा की मदद से सामने आ सकता है। उसकी जांच होनी चाहिए।

अब पुलिस कहां छिपने जाए : अखिलेश यादव

उधर पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा नेता अखिलेश यादव ने केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधा। कन्नौज में भाजपा सांसद द्वारा पुलिस पर हमले के आरोप पर कहा कि अब पुलिस कहां छिपने जाए। क्या बुलडोजर के पीछे छिपना पड़ेगा। जब भाजपा के ही लोग पुलिस पर हमला करने लगेंगे तो यही होगा।

बिना भेदभाव के होगी यौन शोषण मामले की जांच : शाह

» पहलवानों से कहा-कानून को अपना काम करने दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। ये मुलाकात करीब डेढ़ घंटे चली।

दिल्ली पुलिस ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं जिनमें एक प्राथमिकी नाबालिग पहलवान के आरोपों के आधार पर पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज की गई है। ओलंपियन बजरंग पुनिया ने बताया कि वे शनिवार देर शाम गृह मंत्री से उनके दिल्ली स्थित घर पर मिले। सूत्रों का कहना है कि रात 11 बजे शुरू हुई बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली और इसमें पुनिया, विनेश फोगट, साक्षी मलिक, संगीता फोगट और सत्यव्रत कादियान ने भाग लिया।

निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग

पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की, जिन पर एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया हैं। अमित शाह ने पहलवानों को भरोसा दिलाया कि कानून सबके लिए समान है, कानून को अपना काम करने दें। सूत्रों का कहना है कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की पांच दिन की समय सीमा कल समाप्त होने के बाद प्रदर्शनकारी पहलवानों ने अमित शाह से मिलने की मांग की थी।

पारा चढ़ा, सड़क पर पसरा सन्नाटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धीरे-धीरे गर्म होती हवाओं की तल्खी ने आम जीवन बेहाल करना शुरू दिया है। उमस भरी गर्मी व लू के थपेड़ों ने घर से बाहर निकलने वाले लोगा चढ़ते पारे से परेशान होने लगे है आलम यह है कि सुबह 10 बजे से ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। हर कोई धूप से बचने के लिए छांव की तलाश कर रहा है। जून माह के चौथे दिन से ही तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है।

रविवार को पारा 42 डिग्री सेल्सियस को पार कर 42.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। हवा का रुख बदलते फिर से झुलसाने वाली गर्मी और लू के थपेड़ों ने जीवन मुश्किल कर दिया है। रविवार को दिन भर लू के थपेड़ों से हर कोई बेहाल रहा। लू चलने के कारण लोग किसी तरह मुंह ढककर बाहर निकले। शीतल पेय पदार्थ की दुकानों पर भीड़ और बाजारों में लोग छांव ढूंढ़ते नजर आए।

» उमस भरी गर्मी ने झुलसाया

और तेज चलेगी लू

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार रविवार को पारा 42.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आने वाले दिनों में लू की रफ्तार और बढ़ सकती है। नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या के मौसम वैज्ञानिक अमरनाथ मिश्र ने बताया कि रविवार को अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम 81 प्रतिशत और न्यूनतम 34 प्रतिशत रही। हवा की गति 4.2 किलोमीटर प्रति घंटा रही। उन्होंने बताया कि दक्षिण- पश्चिमी हवा चलने के कारण मौसम में शुष्क बना रहेगा।

मानसून से पहले ही वायु प्रदूषण में आई कमी

लखनऊ। हवा में प्रदूषण का स्तर पिछले चार वर्षों की तुलना में इस साल कम हुआ है, लेकिन अब भी मानक से अधिक है। इतना ही नहीं, यहां शोर में भी बढ़ोतरी हुई है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर जारी सीएसआइआर-इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टाक्सिकोलाजी रिसर्च (आइआइटीआर) की प्री-मानसून रिपोर्ट-2023 के अनुसार आवासीय इलाकों में अलीगंज व व्यावसायिक क्षेत्र में चौक में प्रदूषण बढ़ा है। 2022 की तुलना में 2023 में मानसून से पहले ही वायु प्रदूषण में कमी देखी गई है। जहां पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 10 व पीएम 2.5 में भी गिरावट दर्ज की गई है वहीं, गैसीय प्रदूषकों में भी कमी आई है। हालांकि, प्रदूषण में गिरावट के बाद भी इसका स्तर नेशनल एंबिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड (एनएएक्यूएस) की सीमा से अधिक है। आइआइटीआर के निदेशक भास्कर नारायण ने बताया कि साल 2022 की तुलना में इस साल पीएम 10 की औसत सांद्रता में 17.6 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, पीएम 2.5 की औसत सांद्रता में 21.8 प्रतिशत कम हुई है। गैसीय प्रदूषक जैसे एसओटू व एनओटू की औसत सांद्रता में भी गिरावट देखी गई है।

नोवाक जोकोविच ने फोकिना को दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। टेनिस के पूर्व नंबर 1 रहे नोवाक जोकोविच ने अपने फैंस को जबरदस्त तोहफा दिया है। नोवाक जोकोविच ने टेनिस ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन 2023 के मेन्स सिंगल्स के तीसरे राउंड में जीत हासिल की है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच ने अपनी जगह पक्की कर ली है। नोवाक ने स्पेनिश खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना को मात देकर क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अपना स्थान बनाया है।

टेनिस के ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 2023 का खुमार इन दिनों दर्शकों और फैंस के बीच देखने को मिल रहा है। इस सीजन में एक बार फिर से सर्बियाई प्लेयर नोवाक जोकोविच ने जीत दर्ज कर अपने फैंस को बेहद खुशी दी है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में नंबर 3 पर स्थित नोवाक ने पुरुष सिंगल्स के तीसरे राउंड में नोवाक ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही वो अब चौथे दौर में पहुंच गए हैं जहां वो क्वार्टरफाइनल मुकाबला खेल सकेंगे।

साढ़े तीन घंटे से भी अधिक समय तक चला मैच

मुकाबला साढ़े तीन घंटे से भी अधिक समय तक चला। इस मैच के दौरान दर्शकों की तरफ से लगातार नकारात्मक टिप्पणियों की बौछार होती रही मगर नोवाक ने सभी नकारात्मक टिप्पणियों को जवाब जीत से दिया। जोकोविच को तीसरे दौर के मैच में 29 वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (5), 6-2 से जीता। बाइस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के करियर में यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में तीन सेट में जीत दर्ज करने के लिए तीन घंटे 36 मिनट का समय लिया। इस बीच दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हाल की राजनीतिक टिप्पणियों के लिए उन पर ताने भी कसे। जोकोविच के अलावा पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज,पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास और आठवीं वरीयता प्राप्तकारेन खाचनोव आगे बढ़ने में सफल रहे। अन्य मैचों में लोरेंजो सोनेगो ने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को , जबकि जुआन पाब्लो वरिलास ने नंबर 13 हूबर्ट हर्कज को 3-6, 6-3, 7-6 (3), 4-6, 6-2 से उलटफेर का शिकार बनाया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, डारिया कसात्किना, स्लोएन स्टीफंस, एलिना स्वितोलिना और 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा ने चौथे दौर में प्रवेश किया।

पुल गिरने की जांच के साथ दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : नीतीश

» अपर मुख्य सचिव पथ निर्माण विभाग करेंगे जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। गंगा नदी पर बन रहे पुल के सुपर स्ट्रक्चर दूसरी बार गिरने के बाद सियासत तेज हो गई है। महागठबंधन और भाजपा के नेता एक-दूसरे पर निशाना साधने लगे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत पथ निर्माण विभाग को पुल के सुपर स्ट्रक्चर टूटकर गिरने की घटना की विस्तृत जांच कराने और दोषियों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

ज्ञात हो कि सुलतानगंज-अगुवानी गंगा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल एक बार फिर जमींदोज हो गया। निर्माणाधीन पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया। वहीं पुल पर ड्यूटी कर रहे दो गार्ड भी हादसे के बाद से लापता हैं। एसडीआरएफ की टीम इनकी तलाश कर रही है।

इस्तीफा दें सीएम नीतीश : अश्विनी चौबे

वहीं भाजपा ने महागठबंधन की सरकार पर जमकर हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने तो सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से उनका इस्तीफ ही मांग लिया है। उन्होंने कहा कि पुल गिरने की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए चाचा-भतीजा को इस्तीफा देना चाहिए। यह निर्माणाधीन पुल दो बार गिर चुका है। नीतीश कुमार में अगर जरा सी भी नैतिकता बची है तो वह तुरंत इस्तीफ दे दें।

पुल के डिजाइन में ही गड़बड़ी : तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार को इस बात की आशंका थी कि पुल के डिजाइन में ही कोई गड़बड़ी है। आईआईटी रुढ़की टीक से इसकी जांच करवाई जा रही थी। कई सेगमेंट को पहले ही हमारे विभाग ने पहले ही तोड़ा था। इसमें बार-बार शिकायत मिल रही थी। जांच के बाद हमने कई सेंगमेंट ध्वसत किए क्योंकि इसके डिजाइन मे फाल्ट था। हमारा निर्णय था कि इसे पूरा तोड़कर बनाए जाए क्योंकि रिस्क नहीं लेना है। किसी भी हालत में इस पुल का निर्माण फिर से होगा। तेजस्वी यादव ने स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले में पुल निर्माण करने वाली कंपनी से ही पैसा वसूल करेगी।

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमला, 3 जवान घायल

» बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट, हाथ-पैर और अंदरूनी चोटें आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाया है। बीजापुर में सोमवार सुबह किए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। इनमें से एक जवान की हालत गंभीर है। तीनों जवानों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात गंगालूर थाना क्षेत्र में हुई है।

पुलिस अफसरों ने बताया कि, पुसनार से सीआरपीएफ 222वीं और 85वीं बटालियन के जवान सोमवार सुबह एरिया डॉमिनेशन के लिए निकले थे। जवान गंगालूर की तरफ आगे बढ़ रहे थे, इसी दौरान सुबह करीब 10.30 बजे टेकामेटा पहाड़ी के पास नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इसकी चपेट में आकर 222वीं बटालियन का जवान विशाल, 85वीं बटालियन के जवान रिफान साहू और अमित कुमार घायल हो गए। घायल जवानों में विशाल के हाथ-पैर और अंदरूनी चोटें आई हैं। वहीं रिफान साहू के गले में और अंदरूनी चोटें लगी हैं। जबकि 85वीं बटालियन के अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हैं। ब्लास्ट के चलते उनका पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके अलावा सीने में और अंदरूनी चोटें भी लगी हैं।

युवती ने खुद को लगाई आग, मौत

» लखनऊ के जिमखाना क्लब में हुई वारदात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से इस समय बड़ी खबर सामने आ रही है। लखनऊ के जिमखाना क्लब में एक युवती ने खुद को आग के हवाले कर लिया है। इससे बुरी तरह वह झुलस गई और युवती की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक लड़की की पहचान 29 वर्षीय सीमा के रूप में हुई हैं। सीमा के पिता का नाम देवी प्रसाद है।

देवी प्रसाद राजधानी के अवध जिमखाना क्लब में चपरासी के पद पर कार्यरत हैं। सीमा के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी ने आग क्यों लगाई है, उन्हे इस बारे में कुछ भी नहीं पता है। मृतक सीमा ने नारी शिक्षा निकेतन से पढ़ाई की थी।

फाइल फोटो

घटनास्थल पर पुलिस मौजूद

घटना की जानकारी होने के बाद मौके पर पुलिस के आलाधिकारी पहुंच गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आत्महत्या के कारणों का जांच कर रही है। वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है।

फोटो :4 पीएम

पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, चौक, लखनऊ में अमृत फार्मेसी निकट पुलिस चौकी केजीएमयू/ पीआरओ ऑफिस के पास 1000 पौधों का वितरण मरीजों एवं उनके तीमारदारों को किया गया। वहीं हजरतगंज लखनऊ में आदिज्योति सेवा समिति द्वारा संचालित स्लेट एंड चॉक पाठशाला के बच्चों ने पेड़ों वाले वस्त्र पहनकर लोगों को जागरूक किया।

भाजपा ने भारत को किया बदनाम : राहुल

» गोडसे की विचारधारा पर चल रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वॉशिंगटन। राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने भारत को बदनाम करने के लिए वैश्विक स्तर पर एक नैरेटिव लागू करने का आरोप लगाया है। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि देश फिलहाल दो विचारधाराओं के कारण संघर्ष कर रहा है। पहला कांग्रेस समर्थित दूसरी भाजपा और आरएसएस समर्थित।

लेकिन कांग्रेस के सिद्धांत और हमारी विचारधारा महात्मा गांधी के विचारधारा से मेल खाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के विचार महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे से मेल खाते हैं। हमारी विचारधारा उन महात्मा गांधी से मेल खाती है, जो एक एनआरआई थे। वह बेहद सुलझे हुए व्यक्ति थे। उन्होंने जीवन भर सत्य की खोज की। भाजपा गोडसे की विचारधारा पर चलती है, जो हिंसक है और गुस्सैल व्यक्ति है और जीवन की सच्चाई का सामना करने में असमर्थ है। इससे पहले भी कई बार बीजेपी पर हमला बोल चुके हैं।

भारत के विकास में प्रवासियों की अहम भूमिका

राहुल गांधी ने कहा कि भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों ने अहम किरदार निभाया है। उन्होंने दुनिया में खुले विचार रखे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस सहित सभी प्रमुख नेता एनआरआई थे, उन्होंने दुनिया में खुले विचार व्यक्त किए। आधुनिक भारत के निर्माता महात्मा गांधी एक एनआरआई थे। स्वतंत्रता आंदोलन की नींव दक्षिण अफ्रीका में रखी गई थी।

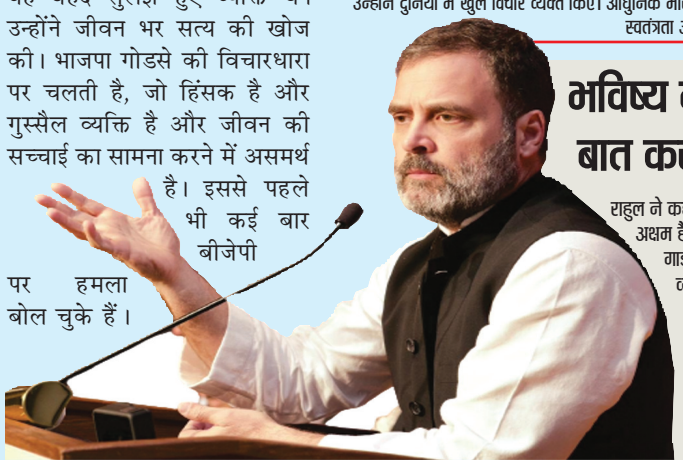

भविष्य नहीं सिर्फ अतीत की बात करती है मोदी सरकार

राहुल ने कहा कि भाजपा और आरएसएस भविष्य देखने में अक्षम हैं। उन्होंने कहा-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की गाड़ी चलाने की कोशिश कर रहे हैं और वह रियर-व्यू मिरर में देख रहे हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि यह कार क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो रही है, आगे नहीं बढ़ रही है। राहुल ने कहा कि यह वही विचार है जो बीजेपी और आरएसएस दोनों के साथ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के सभी मंत्री भविष्य के बारे में कभी नहीं करेंगे, वे केवल अतीत के बारे में बात करते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**– अर्चना दयाल, **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।